1. **पुस्तकालय विधि**

हर विद्यालय में भौतिक विज्ञान प्रभाग का अलग से ‘बुक बैंक’ के अन्तर्गत एक पुस्तकालय होता है, जिसके द्वारा छात्रों में स्वतन्त्र रूप से वैज्ञानिक साहित्य पढ़ने की आदत का विकास हो सके। पाठ्य-पुस्तकों के अलावा ताजा समाचार भी पत्र-पत्रिकाओं तथा बुलेटिन आदि से प्राप्त किये जाते है। इससे छात्रों का दृष्टिकोण वैज्ञानिक बनता है। अपने ज्ञान को वातावरण से जोड़ने हेतु उस दैनिक भौतिक विज्ञान का ज्ञान भी अर्जित करना पड़ता है। यह सन्दर्भ पुस्तकों तथा नवीन शोधों पर आयु को ध्यान में रखते हुए पुस्तकों को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है।

1. **छोटे छात्रों की दृष्टि से पुस्तकें तथा पत्रिकाएँ-** यह छोटी आयु वर्ग के छात्रों हेतु उपयोगी होती हैं।
2. **माध्यमिक कक्षाओं के योग्य पुस्तकें-** सेकण्डरी स्तर पर छात्रों में ज्ञान का स्तर ऊँचा हो जाता है एवं हर बात को तार्किक ढंग से देखता है। इसके स्तर की पाठ्य-पुस्तकों जिसमें विज्ञान का इतिहास, प्रसिद्ध वैज्ञानिकों की खोजें तथा जीवन परिचय संबंधी पुस्तकों और पत्रिकाओं का अनुशीलन करना चाहिए।
3. **शिक्षकों की दृष्टि से पाठ्य-सामग्री-** पुस्तकालय में उच्चकोटि के लेखकों की पाठ्य-पुस्तकें अध्यापकों के मार्गदर्शनार्थ भी रहना जरूरी है। भौतिक विज्ञान विषय-वस्तु एवं भौतिक विज्ञान-शिक्षण की पुस्तकें उन्हें दैनिक पाठ योजना को तैयार करने में मदद करती हैं।

इसके अतिरिक्त भौतिक विज्ञान संबंधी कोष, विश्व कोष, अन्य ग्रन्थ जो भौतिक विज्ञान संबंधी सूचना देते हों एवं अध्यापक संदर्शिकाएँ भी पुस्तकालय में होनी चाहिए तथा इनका अनुशीलन उन्हें करना चाहिए ताकि शिक्षण में आधुनिक पद्धति का प्रयोग किया जा सके।

**पुस्तकालय का प्रबन्ध**

पुस्तकालय की सफलता उसके प्रबन्ध पर निर्भर है। अतः प्रबन्ध की दृष्टि से निम्न बातों की तरफ ध्यान देना जरूरी है-

(1) पुस्तकों को उनके वर्गीकरण के अनुसार विभिन्न अलमारी अथवा खाने में रखना चाहिए तथा हर खाने में शीर्षक लिख देना चाहिए। इससे पुस्तकें चुनने में आसानी होती है। (2) पुस्तकालय में पुस्तकों को लेने तथा लौटाने का समय निश्चित होना चाहिए। (3) पुस्तकों की रक्षा का समुचित ध्यान रखना चाहिए। विद्यार्थी उसे गन्दा न करें एवं फाड़ें नहीं। ऐसा करने से पुस्तकें नष्ट हो जाती हैं। जीर्ण अवस्था में वह दूसरे के काम नहीं आतीं। (4) पुस्तकालय में पुस्तकों की सूची रजिस्टर में अंकित की जानी चाहिए, ताकि रुचि के अनुरूप छात्र छाँट सकें। (5) पुस्तकालय से संबंधित जरूरी नियमों को पूर्व में ही बता देना चाहिए अथवा टाँग देना चाहिए।

**पुस्तकालय में अध्यापक का सहयोग**

आजकल सेकेण्डरी एवं हायर सेकेण्डरी स्तर पर ‘बुक-बैंक’ योजना के अन्तर्गत भौतिक विज्ञान क्लब का अध्यक्ष अच्छी पुस्तकें तथा पत्रिकाएँ रखता है। शिक्षक का यह कर्तव्य है कि वह छात्रों को उत्तम पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करें तभी वह पुस्तक एवं पुस्तकालय की उपयोगिता को समझेंगे। इसके साथ ही छात्रों को अच्छी पुस्तकें चुनने तथा पढ़ने की विधियों से परिचित भी कराना चाहिए। पुस्तक एवं पुस्तकालय को उपयोगी बनाने में शिक्षक की भी महती भूमिका होती है।

**आवश्यक पुस्तकों की सूची**

भौतिक विज्ञान के पुस्तकालय के लिए पुस्तकों की सम्पूर्ण सूची देना जरूरी है।